# माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

माननीय सभासदों,

हमारे अपने राज्य छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च निर्वाचित सभा में लोक कल्याण के कार्यों को सम्पादित करने एवं इस विकासशील राज्य की दशा एवं दिशा निर्धारित करने हेतु प्रदेश की 2 करोड़ 15 लाख जनता ने आपके प्रति विश्वास प्रकट करते हुये इस राज्य के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी सौंपी है।

इस अवसर पर मैं सबसे पहले इस प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ और इस सभा के माध्यम से यह विश्वास दिलाता हूँ कि यह सभा इसके प्रत्येक सदस्य के माध्यम से इस प्रदेश की 2 करोड़ 15 लाख जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रयास करेगी।

इस अवसर पर मैं आप सबको अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ । मैं इस सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री रवीन्द्र चौबे जी को भी हृदय से बधाई देता हूँ, जिन्हें इस प्रजातांत्रिक संस्था के उच्च पदों पर आसीन होने का गौरव प्राप्त हुआ है ।

सभासदों, इस आसंदी पर आपने जिस विश्वास के साथ सर्वसम्मति से मुझे पीठासीन किया है और आपने मेरे प्रति जो आस्था प्रकट की है, मैं आपके प्रति इस अवसर पर कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ और यह विश्वास दिलाता हूँ कि अपने कार्यों के सम्पादन के दौरान मेरे मन–मस्तिष्क में दलीय प्रतिबद्धता अथवा अन्य कोई भी कारक विचार में नहीं रहेगा, सिवाय इसके कि इस सभा की कार्यवाही का संचालन पूर्ण निष्पक्षता एवं सहृदयता के साथ सम्पादित करूँ ।

आपने इस सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था की अध्यक्षता करने के लिये जो विश्वास प्रकट किया है, मैं सदैव उसे अक्षुण्ण बनाये रखने का प्रयत्न करूॅगा ।

मैं इस सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय रविन्द्र चौबे जी को हृदय से बधाई देता हूॅ । वस्तुतः सदन के नेता एवं नेता प्रतिपक्ष प्रजातांत्रिक व्यवस्था के दो पहिये हैं और सभा की कार्यवाही के संचालन में आप दोनों की ही भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है । मेरा यह विश्वास है कि प्रदेश की यह सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था आप दोनों के अनुभवों और परिपक्व वैचारिक धरातल से उच्च मापदण्डों को प्राप्त करेगी ।

इस सदन में पक्ष एवं प्रतिपक्ष में संसदीय विधा में पारंगत अनेक सदस्य निर्वाचित होकर आये हैं, जिन्हें इस सदन में लम्बी अवधि तक प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है, उनके संसदीय ज्ञान एवं अनुभवों का लाभ इस सदन को अवश्य मिलेगा और उनके संसदीय ज्ञान और अनुभवों से नव निर्वाचित सदस्य भी प्रेरणा लेंगे ।

वस्तुतः यह सदन तो आप सब माननीय सदस्यों के माध्यम से ही संचालित होता है । मेरा संसदीय ज्ञान एवं अनुभव, सदन के नेता एवं नेता प्रतिपक्ष के जितना गहरा एवं दीर्घ तो नहीं है, किन्तु इस सदन ने पिछले वर्षों में जो गरिमा अपने सम्पादित कार्यों से स्थापित की है और इस आसंदी ने जो मापदण्ड निर्धारित किये हैं, मैं आपको यह विश्वास दिलाता हूॅ और मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि आप सब के सहयोग से इस सभा एवं इस आसंदी का सम्मान न केवल अक्षुण्ण बना रहे अपितु इसकी गरिमा में वृद्धि हो ।

यह सभा वस्तुतः विचार–विमर्श का एक ऐसा मंच है, जिसके माध्यम से जनकल्याण की योजनाओं को पूरे प्रदेश में संचालित किया जाता है और जब हम जनकल्याण के बारे में सोचते हैं तो राजनीतिक प्रतिबद्धतायें गौण हो जाती है । मेरा विश्वास है कि जनकल्याण के कार्यक्रमों को अंजाम देने के लिये आम

सहमति का जो वातावरण इस सदन में स्थापित हुआ है, वह अब और अधिक सुदृढ़ होगा ।

इस सभा के अध्यक्ष के रूप में मैं अपने दायित्वों के निर्वहन में कितना सफल होऊँगा, यह तो अभी मैं नहीं जानता, किन्तु मैं इस सदन को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि इस आसंदी की गरिमा एवं प्रतिष्ठा पल्लवित हो, इस हेतु मैं दृढ़ संकल्पित हूँ ।

मेरा यह प्रयास रहेगा कि इस सभा के माध्यम से समस्त माननीय सदस्यों को जन–समस्याओं को रखने का पर्याप्त अवसर मिलें और यह सभा प्रदेश की सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के कार्यों की पूर्ति का एक सशक्त माध्यम हो ।

आप सबका एक बार पुनः अभिनन्दन के साथ मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ ।